मिश्री से भी मीठा

मिश्री से भी मीठा नाम तेरा
तेरा जी मईया ऊंचे पहाड़ों पर डेरा
डेरा जी , तेराा मंदिर सुनहरा शेरां वालिए

तेरे दर से मां अमृत की धारा , है झर झर बरस रही
तेराा दर्शण पाने को मईया , है दुनियां तरस रही
मैनें लिख दी अर्जी
मैनें भी   लिख दी माता अर्जी
अर्जी जी मईया आगे जो तेरी मर्जी
अर्जी पे मेरी गौर तो करो मां शेरां वालिए

सदा आती पहाड़ों से तेरे , मईया जी हवा सुखों से भरी
बांटे खुशियां तूं भक्तों को अपने , मां तुझसा दयालु न कोई
तूने है बनाई , तूने बनाई सारी सृष्टी
सृष्टी जी , माता चाहूं मै बस दया की दृष्टी
दृष्टी जी , करो मुझपे मेहरों की मेहरां वालिए

तेरी जोत मां न्यारी न्यारी , है जगमग सदियों से
सारी दुनियां मे तेरी चंचा , मैं देख रहा अखियों से
कोमल हैं बालक , कोमल हैं बालक माता तेरे
तेराा जी , मैनें डाल दिया तेरे डर डेरा
डेरा जी   , मईया जाऊंगी न खाली शेरां वालिए ।।